Broadgauge Rail Link between Jaipur an Sawai Madhopur

514. DR. H. P. SHARMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to State:

(a) whether Government propose to connect Jaipur by broad gauge rail link via Sawai-Madhopur; and

(b) if so, by when?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHR: MADHAVRAO SCINDIA): (a) and (b Surveys for a B.G. link to Iaisalmer|Bar mer had recently been carried out. Gaug conversion of Sawai Madhopur-Jaipu section was one of the alternative route; "surveyed. Survey has also been taken up for another alternative route to evaluate different proposals. No further action cat be taken till the surveys and evaluation' are completed.

दिल्ली परिवहन निगम के चालकों के खिलाफ कार्यवाही

515. श्रीमती रत्न कुमारी : क्या जल-सूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम के उन चालकों के खिलाफ क्या कार्यवाही की जाती है, जो अपने गंतव्य स्थानों पर बिना किसी वैध कारण से ठीक समय पर नहीं पहुंचते हैं ;

(ख) जनवरी, 1987 से अक्तूबर, 1987 तक रूट नं० 602, 623, 640, 641, तथा 660 पर कितने ट्रिप छोड़े गये और ट्रिपों को लगातार छोड़ने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या उपर्युक्त रूटों पर लगे ड्राइवरों के विरुद्ध बसों को ठीक समय पर न पहुंचाने के लिये कोई कार्यवाही की गई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) उपर्युक्त रूटों पर ट्रिप छोड़े न जायें, यह सुनिश्चित करने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ;

(ङ) क्या रूट नं० 602 तथा 660 पर ट्रिपों की बारम्बारता कम कर दी गई है, यदि हां, तो उसके क्या क्या कारण हैं , और

(च) जनवरी, 1987 से लेकर अब तक वसन्त विहार से बस सेवा में सुधार करने के संबंध में कितने अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं और उनमें से प्रत्येक पर क्या कार्यवाही की गई है ?

जल सूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) ड्राइवरों का चालान किया जाता है और उनके विरुद्ध आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाती है।

(ख) ब्रेक डाउन, कर्मचारियों की अनुपलब्धता, दुर्घटनाओं आदि जैसे प्रचालन संबंधी अनेक कारणों से ट्रिप छूट जाते हैं । इन रूटों पर छूटे ट्रिपों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

रूट सं०	निर्धारित ट्रिप	छूटे ट्रिप	प्रचालन प्रतिशत
602	28636	7539	74%
623	21856	1315	94%
640	8520	285	94%
641	14248	1858	87%
660	24163	1627	93%

(ग) छानबीन करने पर पता चला है कि इन रूटों पर जब कभी बसें गंतव्य स्थानों पर देर से पहुंची, वह परिस्थिति ड्राइवरों के नियंत्रण से बाहर थीं ।

(घ) संबंधित डिपो प्रबन्धक समय-समय पर निर्धारित प्रचालन सुनिश्चित करने के लिये सेवा पर नजर रखते हैं। लाइन में भी चैक किया जाता है ।

(ङ) जी, नहीं ।

(च) मौजूदा सेवाओं में वृद्धि/संशोधन के लिये कुल मिलाकर 11 अभ्यावेदन प्राप्त